Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding setting up of National Register of Citizens and National Investigation Agency in every state.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस देश में तृणमुल कांग्रेस जैसी पार्टी के कारण बांग्लादेशी घुसपैठियों का जो आतंक बढ़ रहा है, उसके बारे में मुद्दा उठाना चाहता हूं ।

स्पीकर सर, इस पार्लियामेंट में कुछ लोग सेलेक्टिव एमनिसिया के शिकार हैं, रीराइटिंग ऑफ हिस्ट्री में विश्वास करते हैं और वे गॉसपेल के बच्चे हो गए हैं क्योंकि वे पहलू खान और सोहराबुद्दीन जैसे जो क्रिमिनल्स हैं, अभी राजस्थान सरकार ने भी जिनके ऊपर कहा है कि वे सभी गाय के तस्कर थे ।...(व्यवधान) उस तरह के लोगों को ये लोग प्रश्रय दे कर बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ा रहे हैं ।...(व्यवधान) जिन्ना के ये लोग वारिस, जो जिन्ना को सपोर्ट करते हैं ।...(व्यवधान) जिन्ना ने टू नेशन थ्योरी में नॉर्थ ईस्ट, असम और बंगाल के बाद कश्मीर को अपने साथ पाकिस्तान मिलाने के लिए, जिसकी रूप-रेखा कांग्रेस ने तैयार की ।...(व्यवधान) वर्ष 1916 में मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस ने समझौता करके, इस देश को दो नेशंस में बदल दिया ।...(व्यवधान) वर्ष 1940 और वर्ष 1946 इसका इतिहास है ।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को जिस तरह से इन्होंने यह किया है, बंगाल और झारखंड की पूरी की पूरी डेमोग्राफी चेंज हो गई है ।...(व्यवधान) वह साइबर क्राइम का अड्डा हो गया है ।...(व्यवधान) साइबर क्राइम का अड्डा होने के कारण डिजिटल इकोनॉमी खत्म हो रही है ।...(व्यवधान) सिमी का एक सेंटर बन रहा है ।.....(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि पूरे देश में एनआरसी लागू किया जाए। ...(व्यवधान) जो कांग्रेस और तृणमूल के लोग

उनके नेताओं को सपोर्ट करते हैं, उन्हें जेल भेजा जाए तथा एनआईए का सैंटर हमारे यहां खोला जाए ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री एस.सी.उदासि, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री उदय प्रताप सिंह, श्री नारणभाई काछड़िया, श्री गणेश सिंह और श्री दुष्यंत सिंह को डॉ. निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने क अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री के. सुधाकरन – उपस्थित नहीं ।

श्री के. नवसकनी ।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, यदि कोई भी असंसदीय बात होगी, तो मैं उसे देखूंगा ।

...(<u>व्यवधान</u>)